3rd Dharma – Dhamma Conference
24th – 26th October, 2015
Brilliant Convention Center, Indore, Madhya Pradesh

News Updates

सिटी फ्रंट पेज
dainikbhaskar.com दैनिक भास्कर, इंदौर मंगलवार, 29 सितंबर, 2015 2

मंथन | शहर में 24 से 26 अक्टूबर तक होगा धर्म-धम्म सम्मेलन, 29 देशों के धर्मगुरु, शिक्षाविद, चिंतक और विद्वान होंगे शामिल

धर्म मानव के लिए या मानव धर्म के लिए? खोजेंगे जवाब

भास्कर संवाददाता | इंदौर

अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 24 से 26 अक्टूबर तक होगा। क्या धर्म मानव का कल्याण कर सकता है? धर्म मानव के लिए बना है या मानव धर्म के लिए? धर्म क्या है और क्या ये मनुष्य की हर समस्या का समाधान कर सकता है? ऐसे ही कई सवालों के जवाब खोजने के लिए दुनियाभर से सभी धर्मों के विशेषज्ञ (धर्मगुरु), शिक्षाविद और विद्वान शामिल होंगे।

आस्था का महासंगम- सिंहस्थ 2016 के तहत म.प्र . संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, भोपाल और इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली के संयुक्त आयोजन में मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर आयोजित यह तृतीय अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन है। सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान शामिल होंगे। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती भी मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में मुख्य सत्र के साथ-साथ छह समानांतर सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें विश्व शांति, पर्यावरण एवं प्रकृति, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों पर चर्चा होगी। सम्मेलन के दौरान 130 शोध-पत्र भी प्रस्तुत होंगे। समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, संस्कृति पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा, ऑर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोबसांग सांगे मौजूद रहेंगे।

इन विषयों पर होगी चर्चा

- विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व
- पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का कोई योगदान है भी या नहीं
- मानव गौरव की रक्षा तथा लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं
- सामाजिक न्याय की स्थापना में क्या धर्मों की कोई भूमिका है
- मानवता को स्वास्थ्य और आध्यात्मिक लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाएं।
- विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान।
- धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका
- विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व।

श्रीश्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, सहित 100 धर्मगुरु आएंगे

सम्मेलन में श्रीश्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांगे, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ. थिक टम डक, प्रो. शॉन ह्यिनो, सैयद मेहम्मद अशरफ, डॉ. एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, जोसफ मार्थोमा, प्रो. वामसी जुलूरी सहित अन्य लोग शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 100 धर्मगुरुओं समेत करीब 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल होंगे। मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर सभी धर्मों और धर्मगुरुओं की प्रमुख बातों से लोगों को अवगत कराने के लिए अमेरिका, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड, ताईवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर सहित 29 देशों से धर्मगुरु, विचारक, चिंतक और विद्वान शामिल होंगे।

The Hitavada
BHOPAL ■ Wednesday ■ September 30 ■ 2015
CityLine 5

Sanchi University to organise Dharma-Dhamma conference

■ Staff Reporter

RELIGIOUS study experts from all the main religions, academicians and scholars across the globe will be participating the third International 'Dharma-Dhamma Conference on Harmony of Religions: Welfare of Humankind' at the Brilliant Convention Centre in Indore from October 24 to 26.

The event is being jointly organised by the Department of Culture, Government of Madhya Pradesh; Sanchi University of Buddhist-Indic Studies (SUBIS) and the Centre for Study of Religion and Society (CSRS) of India Foundation, New Delhi as a precursor to the Inter-Faith Dialogue-Simhastha 2016. (Kumbha-Ujjain: largest religious congregation).

Spiritual Guru Sri Sri Ravishankar, Jagadguru Jayendra Saraswati- Kanchi Kamakoti Peetham, Foreign Minister of Bhutan Lyonpo Damcho Dorji, Dr Lobsang Sangay, Sikyong of the Central Tibetan Administration, Professor Samdhong Rinpoche, Dr Thich Tam Duc, Professor Shoun Hino, Hazrat Sayyad Mohammad Ashraf, Joseph Mar Thoma, Dr A K Merchant, Sultan Shahin, Professor Vamsee Juluri are a few names among the renowned personalities who will grace the occasion.

In this International conference along with 100 religious gurus, around 1000 distinguished scholars will also be participating.

The highly acclaimed spiritual gurus, thinkers, philosophers and scholars from 29 countries ranging from the USA, Japan, China, South Korea, Bhutan, Cambodia, Thailand Taiwan, Myanmar, Vietnam, Nepal and Singapore will be making aware about harmony of religions for welfare of humankind through discussion on significant information ingrained in all the religions and scriptures.

The conference has its impetus on the harmony of all religions and the usefulness of religion for individual, social and cosmic well being. Its core objective is to bring about solidarity, peace, prosperity and welfare in the world through the agency of religion. It also seeks to explore shared values among different religions of the world.

In this three-day international conference, along with the main session, topics pertaining to global peace, environment and nature, human dignity, pluralism and moral and spiritual values will be discussed in the six parallel sessions. Religious gurus and noted scholars will be discussing.

भोपाल 30 सितम्बर 2015

दैनिक जागरण 09

धर्म धम्म सम्मेलन में होगा विश्व शांति पर मंथन

निज प्रतिनिधि, भोपाल

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि की तीसरा धर्म धम्म कांफ्रेंस में इस बार मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर मंथन होगा। धर्म पर मंथन के लिए इस बार सभी धर्मों के गुरु कांफ्रेंस में शिरकत करेंगे। तीन दिन चलने वाली इस कांफ्रेंस में विमर्श के लिए विषयों का चयन अगले साल उज्जैन में मनाए जाने वाले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए किया गया है। कांफ्रेंस के केंद्र में विश्व शांति, पर्यावरण और नैतिक मूल्य होंगे।

- इंदौर में होगा तीन दिनी कार्यक्रम

यूनिवर्सिटी अपना तीन दिनी तीसरा धर्म धम्म सम्मेलन आगामी 24 अक्टूबर से मनाने जा रहा है। इस बार यह सम्मेलन भोपाल के स्थान पर इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का स्थान पहले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए उज्जैन रखने पर विचार किया गया था, लेकिन पर्याप्त स्थान के अभाव में कार्यक्रम का स्थान उज्जैन के बजाए ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर करने पर सहमति बनी है। कांफ्रेंस में आध्यात्मिक गुरु रविशंकर, कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेशी मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी के साथ ही लोक सभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा शामिल होंगे।

50 देशों के 100 धर्मगुरू आएंगे.

पत्रकार वार्ता के दौरान विवि की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार व रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में 50 देशों के 100 के आसपास धर्मगुरू और 350 से ज्यादा विद्वान आ रहे हैं। सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों में 150 शोध पत्र पढ़े जाएंगे। अभी तक अमेरिका, इजरायल, कोरिया, वियतनाम, ब्रिटेन, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड, म्यांमार, जापान जैसे देशों के शिक्षाविदों की ओर से सम्मेलन में आने की सहमति मिल गई है।

पेपर जमा करने आखिरी तारीख 30 सितंबर : इस बार सम्मेलन की मुख्य विषय विश्व शांति, पर्यावरण व प्रकृति, मानव गरिमा, बहुलवाद और नैतिक व आध्यात्मिक मूल्य हैं। इन विषयों को अ ल ग - अलग थीम में बांटा गया है। इसके तहत धर्म की विश्व शांति, ईकोलॉजिकल बैलेंस, लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय, सामाजिक सेवा, ज्ञान, योग परंपरा पर दनिया भर से आए बुद्धिजीवी मंथन करेंगे। सम्मेलन के लिए पेपर जमा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर रखी गई है।

इन यूनिवर्सिटी से आ रहे शिक्षाविद

- शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई चीन
- वियतनाम बुद्धिष्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, हो चिन मिन्ह सिटी वियतनाम
- डांगगुक यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया
- सूनमून यूनिवर्सिटी, असन सिटी साउथ कोरिया
- यूनिवर्सिटी ऑफ सैन फ्रांसिस्को, यूएसए
- गीफू फार्मास्युटिकल यूनिवर्सिटी, गीफू सिटी जापान
- क्वांसेई गाकुइन यूनिवर्सिटी जापान

भोपाल, बुधवार. 30.09.2015 पत्रिका सिटी पत्रिका patrika.com 06

सम्मेलन में 29 देशों के धर्मगुरु करेंगे चिंतन

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि में सेमिनार

भोपाल @ पत्रिका

patrika.com

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि का तीसरा अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक होगा। उज्जैन सिंहस्थ के चलते सम्मेलन का विषय मानव कल्याण के लिए धर्म रखा गया है। इसमें विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाओं आदि मुद्दों पर 29 देशों के धर्मगुरु चिंतन करेंगे। 130 से अधिक शोधपत्र पेश होंगे।

सम्मेलन सांची विवि व इंडिया फाउंडेशन के तत्वावधान में इंदौर के ब्रिलिएंट कनवेंशन सेंटर में होगा। उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, स्पीकर सुमित्रा महाजन व सीएम शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती भी मौजूद रहेंगे।

100 धर्मगुरु आएंगे

सम्मेलन में अमेरिका, जापान,चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड, ताइवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर जैसे 29 देशों के 100 धर्मगुरु और विचारण चिंतन करेंगे।

सम्मेलन में करीब 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल होंगे। इनमें आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेशमंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरू लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोंचे, डॉ थिक टम डक, प्रो.शॉन हिनो, हजरत सैय्यद मो. अशरफ, डॉ. एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, जोसफ माथोंमा, प्रो. वामसी जुलूरी जैसी हस्तियों के नाम शामिल हैं। वहीं कई देशों के शिक्षाविद भी शिरकत करेंगे।

भोपाल, बुधवार 30 सितंबर 2015 | नवदुनिया | 05

अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में आएंगे 50 देशों के धर्मगुरु

- सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक इंदौर में
- सभी धर्मों के धर्म गुरु सम्मेलन में होंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का तीसरा अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन इंदौर में होगा। सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक चलेगा। सम्मेलन में मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर मंथन होगा। धर्म पर मंथन के लिए इस बार सभी धर्मों के धर्म गुरु शामिल होंगे।

सांची विवि की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार ने मंगलवार को संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के करीब 100 धर्म गुरु शामिल होंगे। विवि के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोपो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्म गुरु लोबसांग सांग, हजरद सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ. एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन सहित अन्य धर्म गुरु शामिल होंगे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री, लोकसभ स्पीकर सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। इस सम्मेलन में 1 हजार से अधिक विशिष्ट विद्वान भी शामिल होंगे। तीन दिन तक चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में विमर्श के लिए विषयों का चयन अगले साल जून सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

131 शोध पत्र पढ़े जाएंगे

सम्मेलन के दौरान 131 शोधपत्र पढ़े जाएंगे। इनमें 50 शोधपत्र विदेशी रहेंगे। इनका चयन विवि ने कर लिया है। अभी तक अमेरिका, इजरायल, कोरिया, वियतनाम, ब्रिटेन, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड, म्यांमार, जापान जैसे देशों के शिक्षाविदों की ओर से सम्मेलन में आने की सहमति मिल गई है। सम्मेलन के लिए पेपर जमा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर रखी गई है।

शांति, पर्यावरण पर चर्चा

सम्मेलन में मुख्य सत्र के साथ छह समानांतर सत्र आयोजित होंगे। इनमें विश्व शांति, पर्यावरण एवं प्रकृति, मानव गौरव, बहुवचनवाद और नैतिक व आध्यात्मिक मूल्य सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा होगी।

इन विषयों पर भी चर्चा

- विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व
- पर्यावरण संतुलन में धर्मों का कोई योगदान है या नहीं
- मानव गौरव की रक्षा व लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं
- सामाजिक न्याय की स्थापना में क्या धर्मों की कोई भूमिका है
- विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान
- धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका
- विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व

यहां से आ रहे शिक्षाविद

- शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई चीन।
- वियतनाम बुद्धिष्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, हो चि मिन्ह सिटी वियतनाम
- डांगगुक यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया।
- यूनिवर्सिटी ऑफ सैन फ्रांसिस्को, यूएसए।
- गीफू फार्मास्युटिकल यूनिवर्सिटी, गीफू सिटी, जापान।
- क्वांसेई गाकुइन यूनिवर्सिटी, जापान।

htbhopal

Int'l Dharma Dhamma conference from Oct 24

BHOPAL: The third International Dharma-Dhamma Conference will be being organised at Indore by the Sanchi University of Buddhism along with the MP cultural department and India Foundation from October 24 to October 26. Registrar of the university, Rajesh Gupta told media that nearly 50 religious clerics from all faiths and over 350 religious scholars from across the world would participate in the conference which is to be held at the Brilliant Convention Centre in Indore..

100 spiritual leaders to attend meet

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: Exploring shared values among different faiths, third International Dharma-Dhamma conference will be held in Indore on October 24, according to a press release.

The three-day event will be based on the theme 'harmony of religions: Welfare of humankind'. The conference a precursor to next year's Simhastha mela in Ujjain being organised by the MP department of culture, Sanchi University of Buddhist-Indic Studies (SUBIS) and New Delhi-based India foundations centre for study of religion and society.

Conference is likely to have 100 spiritual leaders along with approximately 1,000 scholars in attendance. Participants from 29 countries including the United States, Japan, China, South Korea, Bhutan, Cambodia, Thailand, Taiwan, Myanmar, Vietnam, Nepal and Singapore are likely to attend. Topics of the conference would include parallel sessions on discussions on world peace, environment and nature, human dignity, pluralism, moral and spiritual values.